

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग П--वण्ड ३--उपखण्ड (1)

PART II--Section 3- Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

fio 29

सई विल्ली, शुक्रवार, फरवरी 9, 1973/माध 20, 1894

No. 29] NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 9, 1973 /MAGHA 20, 1894

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

Income-tax Establishments

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th February 1973

G.S.R. 54(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the sentority of persons directly recruited or promoted to Income-tax Officers (Class I) Service, namely:—

- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Incometax Officers (Class I) Service (Regulation of Seniority) Rules, 1973.
- (2) They shall be deemed to have come into force on the 16th day of January, 1959.
 - 2. **Definitions.**—In these rules, unless the context requires otherwise—
 - (a) "date of commencement" of these rules means the 16th day of January, 1959:
 - (b) "direct recruit" means an Income tax Officer recruited to the Incometax Officers (Class I) Service on the basis of any competitive examination held by the Union Public Service Commission;

- (c) "promotee" means an Income-tax Officer promoted to Class I Service on the basis of selection and includes—
 - (i) any Income-tax Officer, Grade III (Class II) Service who had been promoted to Income-tax Officers (Class I, Grade II) Service before the 1st day of July, 1959;
 - (ii) any Income-tax Officer in Class II Service, who is promoted to Income-tax Officers (Class I) Service, on or after the 1st day of July, 1959; and
 - (iii) any Income-tax Officer in Grade III (Class II) Service, who had been promoted to Income-tax Officer (Class I, Grade II) Service before the 16th day of January, 1959, in excess of the quota fixed for promotion in terms of the directions contained in letter No. 24 (2) Adm. IT/51 dated the 18th October, 1951 of the Government of India, in the Ministry of Finance (Revenue Division).
- 3. Seniority of officers.—The seniority of the Income-tax Officers in the Class I Service shall be regulated as from the date of commencement of these rules in accordance with the provisions hereinafter contained namely:—
 - (i) the seniority among the promotees inter se shall be determined in the order of selection for such promotion and the officers promoted as a result of any earlier selection shall rank senior to those selected as a result of any subsequent selection;
 - (ii) the seniority among the direct recruits inter se shall be determined by the order of merit in which they are selected for such appointment by the Union Public Service Commission and any person appointed as a result of an earlier selection shall rank senior to all other persons appointed as a result of any subsequent selection; and
 - (iii) the relative seniority among the promotees and the direct recruits shall be in the ratio of 1:1 and the same shall be so determined and regulated in accordance with a roster maintained for the purpose, which shall follow the following sequence, namely:—
 - (a) promotee;
 - (b) direct recruit;
 - (c) promotec;
 - (d) direct recruit; and so on.
- 4. Interpretation.—If any question arises as to the application of these rules or interpretation thereof, such question shall be referred to the Central Board of Direct Taxes, who shall give a decision thereon.
- 5. Repeal. Any rule relating to fixation of seniority and other conditions of service of Income-tax Officers Class I (whether they are direct recruits or promotees), shall, in so far as they relate to those officers who are governed by these rules, stand repealed to the extent they are inconsistent with any of the provisions contained in these rules.

[No. F.10/1/73-Ad.VI.]M. M. SETHI, Dy. Secy.

वित्त मंद्रालय

राजस्व श्रौर बीमा विभाग

ग्राय-कर स्थापन

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 1973

सा० का० नि० संख्या 54 (प्र).—-राष्ट्रपति, मंबिधान के प्रनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा पटन पक्तियों का प्रयोग करते हये ग्राय-कर ग्रिधकारी (वर्ग 1) सेवा में सीधे भरती या प्रोन्नत किए गए व्यक्तियों की ज्येष्ठता को विनियिष्ट करने वाले निम्नलिखित नियम एतद्द्वारा बनाते हैं, अर्थात् :---

- 1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :-- (1) इन नियमों का नाम श्राय-कर श्रिधकारी (वर्ग 1) सेवा (अयेष्टिता का विनियमन) नियम, 1973 है।
 - (2) ये जनवरी, 1959 के 16वें दिन की प्रवृत्त हर् समझे जायेंगे ।
 - 2. परिभाषाय :--इन नियमों में, जब तक कि सन्दर्भ में श्रन्यथा अपेक्षित न हो,--
 - (क) "इन नियमों के प्रारम्भ की तारीखा" से जनवरी, 1959 का 16वां दिन श्रिभ-प्रेत है,
 - (ख) "सीधी भरती" से भाय-कर-अधिकारी (वर्ग 1) सेवा में संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा ली गयी किसी प्रतियोगी परीक्षा के श्राधार पर भरती किए गए कोई श्राय-कर अधिकारी श्रभिप्रेत हैं,
 - (ग) "प्रोन्नत" से चयन के श्राधार पर (वर्ग 1) सेवा में प्रोन्नत किए गए कोई श्राय-कर श्रधिकारी श्रभिप्रेत है और इसमें,
 - (i) कोई ग्राय-कर भ्रधिकारी, श्रेणी III (वर्ग 2) सेवा, जो जुलाई, 1959 के प्रथम दिन से पूर्व ग्राय-कर ग्रधिकारी (वर्ग 1, श्रेगी 2) सेवा में प्रोन्नत किया गया है;
 - (ii) वर्ष 2 सेवा का कोई श्राय-कर श्रधिकार्, जो जुलाई 1959 के प्रथम दिन को या उसके पश्वात् श्राय-कर प्रश्रिकारी (वर्ष 1) सेवा में श्रोन्नत किया गया है; तथा
 - (iii) श्रेणी 3 (वर्ग 2 सेवा) का कोई ग्राय-कर ग्रधिकारी, जो जनवरी, 1959 से 16वें दिन से पूर्व ग्राय-कर (वर्ग 1, श्रेणी 2) सेवा में भारा सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व प्रभाग) के पत्र संख्या 24 (2) प्र० ग्राय-कर/51, तारी व 18 श्रक्तूवर, 1951 में ग्रन्ति एट निदेशों के ग्रनुसार प्रोन्ति के लिये नियत कोटा से श्राधिक्य में प्रोन्तत किया गया है।

मिमिलित है।

- 3. **म्राधिकारियों की उपेष्ठत**ः :---वर्ग 1 सेवा के म्राय-कर म्राधिकारियों की ज्येष्ठता, इन नियमों के प्रारम्भ होने की नारीख से इसमें इसके पश्चात् म्रन्ति^{विष्}ट उपबन्धों के म्रनुसार विनियमित की जायेगी, म्रार्थात् :--
 - (i) प्रोन्नतों की पारस्परिक ज्येष्ठता ऐसी प्रोन्नति के लिये ज्यन के कम में श्रवधारित की जाएंगी श्रौर किसी पूर्वतर ज्यन के परिणामस्यरूप प्रोन्नत किए गए ब्रधिकारी किसी पश्चातुद्धती चयन के परिणामस्यरूप ज्यनित श्रधिकारियों से ज्येष्ठ होंगे;
 - (ii) मीक्षे भरती किए गए व्यक्तियों की पारस्परिक ज्येष्टता योग्यता के उस कम में अवधारित की जाएकी जिसमें ऐसी नियुक्ति के लिये संघ लीक सेवा आयोग द्वारा उनका चयन किया गया है और किसी पूर्वतर चयन के परिणामस्वरूप नियुक्त कोई धाकित किनी पहनान्वर्ती चयन के परिणाम स्वरूप नियुक्त अध्य सभी व्यक्तियों से ज्येष्ट होगा; और

- (iii) प्रोन्नत तथा सीधे भरती किये गये व्यक्तियों की सापेक्ष ज्येष्ठता 1: 1 के अनु-पात में होगी और वह इस प्रयोजन के लिये रखे गए ऐसे रोस्टर के अनुसार अवधा-रित और विनियमित की जाएगी, जिसमें निम्नलिखित कम अपनाया जाएगा, अर्थात :--
 - (क) प्रोन्नत,
 - (ख) सीधे भरती किया गया व्यक्ति,
 - (ग) प्रोझत,
 - (घ) सीधे भरती किया गया व्यक्ति, श्रीर इस प्रकार
- 4. निर्वचन :--- इन नियमों के लागू होने या उनके निर्वचन के सम्बन्ध में यदि कोई विवाद उठता है तो ऐसा विवाद केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड को निर्दिष्ट किया जाएगा, जो उसका विनिश्चय करेगा ।
- 5. निरक्षन :— आय-कर अधिकारी वर्ग 1 (भले ही वे सीधे भरती किए गए हों या प्रोन्नत हों) की ज्येष्टता नियस करने और सेवा की अन्य गतों के सम्बन्ध में कोई भी नियम जहां तक उसका सम्बन्ध इन नियमों द्वारा शासित अधिकारियों से है इन नियमों में अन्तर्विष्ट किन्हीं भी उपबन्धों से जहां तक वह उनसे असंगत है उस सीमा तक निरसित हो जाएगा।

[फाइल संख्या 10/1/73—प्र० VI]

एम० एम० सेठी,

उप-प्रचिव, भारत सरकार ।